



तृतीयक क्रियाकलाप

- जनशक्ति सेवा सेक्टर का एक महत्त्वपूर्ण कारक है क्योंकि अधिकांश तृतीयक क्रियाकलापों का निष्पादन कुशल श्रमिक व्यावसायिक दृष्टि से प्रशिक्षित विशेषज्ञ और परामर्शदाताओं द्वारा होता है।
- तृतीयक क्रियाकलापों में उत्पादन और विनिमय दोनों सम्मिलित होते हैं। उत्पादन में सेवाओं की उपलब्धता शामिल होती है जिनका उपभोग किया जाता है।
- विनिमय के अंतर्गत व्यापार, परिवहन और संचार सुविधाएँ सम्मिलित होती हैं।
- तृतीयक क्रियाकलापों में मूर्त वस्तुओं के उत्पादन के बजाय सेवाओं का व्यावसायिक उत्पादन सम्मिलित होता है।

द्वितीयक और तृतीयक क्रियाकलापों में अंतर

- सेवाओं द्वारा उपलब्ध विशेषज्ञता उत्पादन तकनीकों, मशीनरी और फैक्ट्री प्रक्रियाओं की अपेक्षा कर्मियों की विशिष्टीकृत कुशलताओं, अनुभव और ज्ञान पर अत्यधिक निर्भर करती है।
- विकसित अर्थव्यवस्था में बहुसंख्यक श्रमिक तृतीयक क्रियाकलापों में रोज़गार पाते हैं और अपेक्षाकृत कम संख्या में द्वितीयक सेक्टर में कार्यरत होते हैं।



व्यापार एवं वाणिज्य

- व्यापार वस्तुतः अन्यत्र उत्पादित मदों का क्रय और विक्रय है।



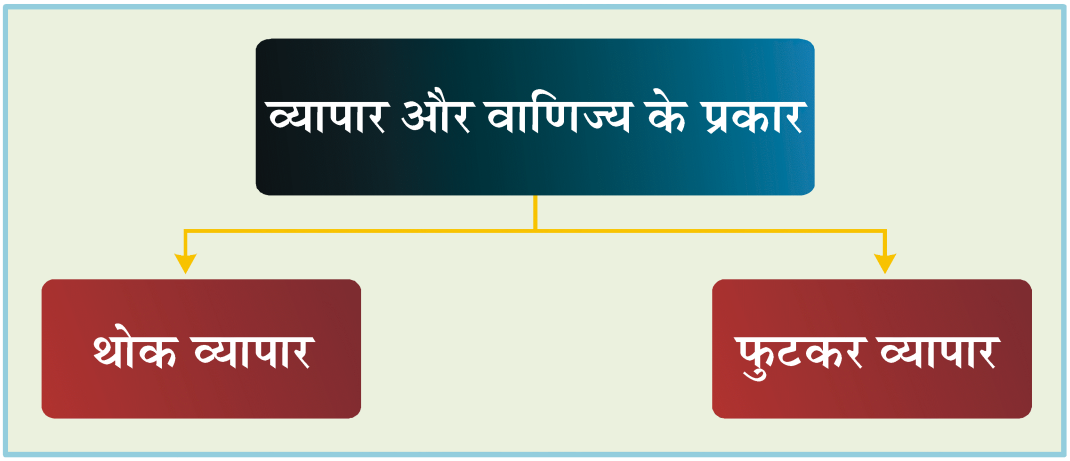

थोक व्यापार



- थोक व्यापार का गठन अनेक बिचौलिए सौदागरों और पूर्तिघरों द्वारा होता है न कि फुटकर भंडारों द्वारा।
- श्रृंखला भंडारों सहित कुछ बड़े भंडार विनिर्माताओं से सीधी खरीद करते हैं।
- फिर भी बहुसंख्यक फुटकर भंडार बिचौलिए स्रोत से पूर्ति लेते हैं।
- थोक विक्रेता प्रायः फुटकर भंडारों को उधार देते हैं, यहाँ तक कि फुटकर विक्रेता अधिकतर थोक विक्रेता की पूँजी पर ही अपने कार्य का संचालन करते हैं।

फुटकर व्यापार



- ये वह व्यापारिक क्रियाकलाप हैं जो उपभोक्ताओं को वस्तुओं के प्रत्यक्ष विक्रय से संबंधित हैं।

- अधिकांश फुटकर व्यापार केवल विक्रय से नियत प्रतिष्ठानों और भंडारों में संपन्न होता है

  उदाहरण - फेरी, रेहड़ी, ट्रक, द्वार से द्वार, डाक आदेश, दूरभाष, स्वचालित बिक्री मशीनें तथा इंटरनेट ।

व्यापार एवं व्यापारिक केन्द्र

- फुटकर और थोक व्यापार अथवा वाणिज्य की सभी सेवाओं का विशिष्ट उद्देश्य लाभ कमाना है।
- यह सारा काम कस्बों और नगरों में होता है जिन्हें व्यापारिक केंद्र कहा जाता है।
- स्थानीय स्तर पर वस्तु विनिमय से लेकर अंतर्राष्ट्रीय सोपान पर मुद्रा विनिमय तक व्यापार के उत्थान ने अनेक केंद्रों और संस्थाओं को जन्म दिया है जैसे कि व्यापारिक केंद्र अथवा संग्रहण और वितरण बिंदु ।

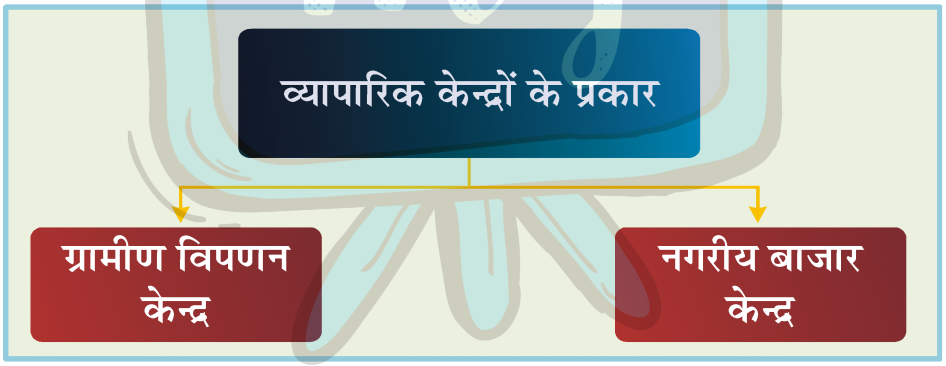

ग्रामीण विपणन केंद्र



- ये अर्ध-नगरीय केंद्र होते हैं तथा निकटवर्ती बस्तियों का पोषण करते हैं।
- ये स्थानीय संग्रहण और वितरण केंद्र होते हैं।

- ये अत्यंत अल्पवर्धित प्रकार के व्यापारिक केंद्रों के रूप में सेवा करते हैं। यहाँ व्यक्तिगत और व्यावसायिक सेवाएँ सुविकसित नहीं होतीं।
- इनमें से अधिकांश केंद्रों में मंडियाँ (थोक बाज़ार) और फुटकर व्यापार क्षेत्र भी होते हैं। ये स्वयं में नगरीय केंद्र नहीं हैं किंतु ग्रामीण लोगों की अधिक माँग वाली वस्तुओं और सेवाओं को उपलब्ध कराने वाले महत्त्वपूर्ण केंद्र हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में आवधिक बाज़ार



- ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ नियमित बाज़ार नहीं होते विभिन्न कालिक अंतरालों पर स्थानीय आवधिक बाज़ार लगाए जाते हैं।
- ये साप्ताहिक, पाक्षिक बाज़ार होते हैं जहाँ आस-पास के क्षेत्रों से लोग आकर समय-समय पर अपनी आवश्यक ज़रूरतों को पूरा करते हैं।
- ये बाज़ार निश्चित तिथि दिन पर लगते हैं और एक स्थान से दूसरे स्थान पर लगते रहते हैं।

LET'S LEARN TOGETHER

नगरीय बाज़ार केन्द्र



- यहाँ अधिक विशिष्टीकृत नगरीय सेवाएँ मिलती हैं।
- इनमें न केवल साधारण वस्तुएँ और सेवाएँ बल्कि लोगों द्वारा वांछित अनेक विशिष्ट वस्तुएँ व सेवाएँ भी उपलब्ध होती हैं।

- नगरीय केंद्र, इसलिए विनिर्मित पदार्थों के साथ-साथ विशिष्टीकृत बाज़ार भी प्रस्तुत करते हैं जैसे श्रम बाज़ार, आवासन, अर्ध-निर्मित एवं निर्मित उत्पादों का बाज़ार।
- इनमें शैक्षिक संस्थाओं और व्यावसायिकों की सेवाएँ जैसे- अध्यापक, वकील, परामर्शदाता, चिकित्सक, दाँतों का डॉक्टर और पशु चिकित्सक आदि उपलब्ध होते हैं।

परिवहन



- परिवहन एक ऐसी सेवा अथवा सुविधा है जिससे व्यक्तियों, विनिर्मित माल तथा संपत्ति को भौतिक रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जाता है।
- यह मनुष्य की गतिशीलता की मूलभूत आवश्यकता को पूरा करने हेतु निर्मित एक संगठित उद्योग है।
- आधुनिक समाज वस्तुओं के उत्पादन, वितरण और उपभोग में सहायता देने के लिए तीव्र और सक्षम परिवहन व्यवस्था चाहते हैं।
- परिवहन को किलोमीटर दूरी, समय- दूरी और लागत दूरी के खर्च के रूप में मापा जाता है।

परिवहन को प्रभावित करने वाले कारक

- उच्चावच
- परिवहन के साधनों की उपलब्धता
- माँग

- मार्गों की स्थिति
- विकास का स्तर

परिवहन से संबंधित शब्दावली

- **नोड** - दो अथवा अधिक मार्गों का संधि-स्थल, एक उद्गम बिंदु, एक गंतव्य बिंदु अथवा मार्ग के सहारे कोई बड़ा कस्बा नोड होता है।
- **योजक** - प्रत्येक सड़क जो दो नोडों को जोड़ती है योजक कहलाती है। एक विकसित जाल-तंत्र में अनेक योजक होते हैं, जिसका अर्थ है कि स्थान सुसंबद्ध है।

संचार

- संचार सेवाओं में शब्दों और संदेशों, तथ्य और विचारों का प्रेषण सम्मिलित है।
- लेखन के आविष्कार ने संदेशों को संरक्षित किया और संचार को परिवहन के साधनों पर निर्भर करने में सहायता की।
- ये वास्तव में हाथ, पशुओं, नाव, सड़क, रेल तथा वायु द्वारा परिवहित होते थे।
- यही कारण है कि परिवहन के सभी रूपों को संचार पथ कहा जाता है।
- जहाँ परिवहन जाल - तंत्र सक्षम होता है वहाँ संचार का फैलाव सरल होता है।
- मोबाइल, दूरभाष और उपग्रहों जैसे कुछ विकासों ने संचार को परिवहन से मुक्त कर दिया है।

दूरसंचार

- दूरसंचार का प्रयोग विद्युतीय प्रौद्योगिकी के विकास से जुड़ा है। संदेशों के भेजे जाने की गति के कारण इसने संचार में क्रांति ला दी है।
- रेडियो और दूरदर्शन भी समाचारों, चित्रों व दूरभाष कालों का पूरे विश्व में विस्तृत श्रोताओं को प्रसारण करते हैं और इसलिए इन्हें जनसंचार माध्यम कहा जाता है।

सेवाएँ

- सेवाएँ विभिन्न स्तरों पर पाई जाती हैं। कुछ सेवाएँ उद्योगों को चलाती हैं, कुछ लोगों को और कुछ उद्योगों और लोगों दोनों को, उदाहरणतः परिवहन तंत्र।





- **निम्नस्तरीय सेवाएँ** - पंसारी की दुकानें, धोबीघाट ।
- **उच्चस्तरीय सेवाओं**- लेखाकार, परामर्शदाता और चिकित्सक।
- **व्यावसायिक सेवाएँ** - स्वास्थ्य की देखभाल, अभियांत्रिकी, विधि और प्रबंधन ।
- **व्यक्तिगत सेवाएँ** - दैनिक जीवन में काम को सुविधाजनक बनाने के लिए लोगों को जो सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं, उसी उन्हें व्यक्तिगत सेवाएँ कहते हैं। जैसे - मोची गृहपाल, खानसामा और माली ।

तृतीयक क्रियाकलापों में संलग्न लोग

- अधिक विकसित देशों में कर्मियों का अधिकतर प्रतिशत इन सेवाओं में लगा है, जबकि अल्पविकसित देशों में 10 प्रतिशत से भी कम लोग इस सेवा क्षेत्र में लगे हैं।
- इस सेक्टर में रोज़गार की प्रवृत्ति बढ़ रही है जबकि प्राथमिक और द्वितीयक क्रियाकलापों में यह अपरिवर्तित है अथवा घट रही है।

पर्यटन



- पर्यटन एक यात्रा है जो व्यापार की बजाय प्रमोद के उद्देश्यों के लिए की जाती है।
- कुल पंजीकृत रोज़गारों तथा कुल राजस्व की दृष्टि से यह विश्व का अकेला सबसे बड़ा तृतीयक क्रियाकलाप बन गया है।
- पर्यटन अवसंरचना उद्योगों, फुटकर व्यापार तथा शिल्प उद्योगों (स्मारिका) को पोषित करता है।
- कुछ प्रदेशों में पर्यटक ऋतुनिष्ठ तथा कई प्रदेशों में पर्यटक वर्षपर्यंत आते रहते हैं।

पर्यटक प्रदेश

- भूमध्यसागरीय तट के चारों ओर कोष्ण स्थान तथा भारत का पश्चिमी तट विश्व के लोकप्रिय पर्यटक गंतव्य स्थानों में से हैं।
- स्मारकों, विरासत स्थलों और सांस्कृतिक गतिविधियों के कारण ऐतिहासिक नगर भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पर्यटन को प्रभावित करने वाले कारक

- **माँग :** विगत शताब्दी से अवकाश के लिए माँग तीव्रता से बढ़ी है। जीवन स्तर में सुधार तथा बढ़े हुए फुरसत के समय के कारण अधिक लोग विश्राम के लिए अवकाश पर जाते हैं।

- **परिवहन :** परिवहन सुविधाओं में सुधार के साथ पर्यटन क्षेत्रों का आरंभ हुआ है। उदाहरणतः वायु-यात्रा द्वारा कुछ ही घंटों में अपने घरों से विश्व में कहीं भी जाया जा सकता है।



- **जलवायु :** ठंडे प्रदेशों के अधिकांश लोग पुलिन विश्राम के लिए ऊष्ण व धूपदार मौसम की अपेक्षा करते हैं। दक्षिणी यूरोप और भूमध्यसागरीय क्षेत्रों में पर्यटन के महत्त्व का यह एक मुख्य कारण है।



- **भू-दृश्य :** कई लोग आकर्षित करने वाले पर्यावरण में अवकाश बिताना पसंद करते हैं, जिसका प्रायः, अर्थ होता है पर्वत, झीलें, दर्शनीय समुद्री तट और मनुष्य द्वारा पूर्ण रूप से अपरिवर्तित भू-दृश्य।



- **इतिहास एवं कला :** किसी क्षेत्र के इतिहास और कला में संभावित आकर्षण होता है। लोग प्राचीन और सुंदर नगरों, पुरातत्व के स्थानों पर जाते हैं और किलों, महलों ।



- **संस्कृति और अर्थव्यवस्था :** मानवजातीय और स्थानीय रीतियों को पसंद करने वालों को पर्यटन लुभाता है।
- यदि कोई प्रदेश पर्यटकों की ज़रूरतों को सस्ते दाम में पूरा करता है तो वह अत्यंत लोकप्रिय हो जाता है।
- **'घरों में रुकना'** एक लाभदायक व्यापार बन कर उभरा है जैसे कि गोवा में हेरीटेज़ होम्स तथा कर्नाटक में मैंडीकेरे और कूर्ग ।

भारत में समुद्रपार रोगियों के लिए स्वास्थ्य सेवाएँ

- भारत विश्व में चिकित्सा पर्यटन में अग्रणी देश बन कर उभरा है।
- जब चिकित्सा उपचार को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन गतिविधि से संबद्ध कर दिया जाता है तो इसे सामान्यतः चिकित्सा पर्यटन कहा जाता है।



- महानगरों में अवस्थित विश्वस्तरीय अस्पताल संपूर्ण विश्व के रोगियों का उपचार करते हैं।
- भारत, थाईलैंड, सिंगापुर और मलेशिया जैसे विकासशील देशों को चिकित्सा पर्यटन से अनेक लाभ प्राप्त होते हैं।

चतुर्थ क्रियाकलाप

- ये बहुत ही विशिष्ट तथा जटिल प्रकार के क्रियाकलाप हैं जिनका सम्बन्ध ज्ञान से सम्बन्धित क्रियाकलाप से है।
- **चतुर्थ क्रियाकलाप -** सूचना का संग्रहण, उत्पादन और प्रकीर्णन अथवा सूचना का उत्पादन।



- चतुर्थ क्रियाकलाप अनुसंधान और विकास पर केंद्रित होते हैं और विशिष्टीकृत ज्ञान प्रौद्योगिक कुशलता और प्रशासकीय सामर्थ्य से संबद्ध सेवाओं के उन्नत नमूने के रूप में देखे जाते हैं।
- कार्यालय भवनों, प्रारंभिक विद्यालयों, विश्वविद्यालयी कक्षाओं, अस्पतालों व डॉक्टरों के कार्यालयों, रंगमचों, लेखाकार्य और दलाली की फर्मों में काम करने वाले कर्मचारी इस वर्ग की सेवाओं से संबंध रखते हैं।

पंचम क्रियाकलाप

- पंचम क्रियाकलाप वे सेवाएँ हैं जो नवीन एवं वर्तमान विचारों की रचना, उनके पुनर्गठन और व्याख्या; आँकड़ों की व्याख्या और प्रयोग तथा नई प्रौद्योगिकी के मूल्यांकन पर केंद्रित होती हैं।
- प्रायः 'स्वर्ण कॉलर' कहे जाने वाले ये व्यवसाय तृतीयक सेक्टर का एक

और उप-विभाग हैं जो वरिष्ठ व्यावसायिक कार्यकारियों, सरकारी अधिकारियों, अनुसंधान वैज्ञानिकों, वित्त एवं विधि परामर्शदाताओं इत्यादि की विशेष और उच्च वेतन वाली कुशलताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

- उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की संरचना में उनका महत्त्व उनकी संख्या से कहीं अधिक होता है।
- पंचम सेवाओं की नवीन प्रवृत्तियों में ज्ञान प्रक्रमण बाह्यस्रोतन और 'होम शोरिंग' है, जो बाह्यस्रोतन का विकल्प है।
- ज्ञान प्रकरण बाह्यस्रोतन के उदाहरणों में अनुसंधान और विकास क्रियाएँ, ई- लर्निंग, व्यवसाय अनुसंधान, बौद्धिक संपदा, अनुसंधान, कानूनी व्यवसाय और बैंकिंग सेक्टर आते हैं।

बाह्यस्त्रोतन

- बाह्यस्रोतन अथवा ठेका देना दक्षता को सुधारने और लागतों को घटाने के लिए किसी बाहरी अभिकरण को काम सौंपना है। जब बाह्यस्रोतन में कार्य समुद्रपार के स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया जाता है तो इसको अपतरन (आफशोरिंग) कहा जाता है, यद्यपि दोनों अपतरन और बाह्यस्रोतन का प्रयोग इकट्ठा किया जाता है।
- जिन व्यापारिक क्रियाकलापों को बाह्यस्त्रोतन
- किया जाता है उनमें सूचना प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन, ग्राहक सहायता और काल सेंटर सेवाएँ और कई बार विनिर्माण तथा अभियांत्रिकी भी सम्मिलित की जाती हैं।



- हैदराबाद अथवा मनीला में स्थापित एक कंपनी भौगोलिक सूचना तंत्र की तकनीक पर आधारित परियोजना पर संयुक्त राज्य अमेरिका अथवा जापान जैसे देशों के लिए काम करती है।

अंकीय विभाजक

- सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर आधारित विकास से मिलने वाले अवसरों का वितरण पूरे ग्लोब पर असमान रूप से वितरित है।
- निर्णायक कारक यह है कि कोई देश कितनी शीघ्रता से अपने नागरिकों को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी तक पहुँच और उसके लाभ उपलब्ध करा सकता है।
- विकसित देश, सामान्य रूप से, इस दिशा में आगे बढ़ गए हैं जबकि विकासशील देश पिछड़ गए हैं और इसी को अंकीय विभाजक कहा जाता है।
- **उदाहरण:** भारत अथवा रूस जैसे विशाल देश में यह अवश्यंभावी है कि महानगरीय केंद्रों जैसे निश्चित क्षेत्रों में परिधिस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अंकीय विश्व के साथ बेहतर संबंध तथा पहुँच पाई जाती है।

क्रियाकलाप

कॉलर का रंग	कार्य की प्रवृत्ति
लाल	प्राथमिक क्रियाकलाप
स्वर्ण	नवीन प्रौद्योगिकी
श्वेत	उच्च प्रौद्योगिक उद्योगों के श्रमिक
नीला	शारीरिक श्रमकार

I. नीचे दिए गए चार विकल्पों में सही उत्तर को चुनिए :

(i) निम्नलिखित में से कौन-सा एक तृतीयक क्रियाकलाप है?

क. खेती

ख. बुनाई

ग. व्यापार

घ. आखेट

(ii) निम्नलिखित क्रियाकलापों में से कौन- एक द्वितीयक सेक्टर का क्रियाकलाप नहीं है?

क. इस्पात प्रगलन

ख. वस्त्र निर्माण

ग. मछली पकड़ना

घ. टोकरी बुनना

(iii) निम्नलिखित में से कौन - सा एक सेक्टर दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में सर्वाधिक रोज़गार प्रदान करता है?

क. प्राथमिक

ख. द्वितीयक

ग. पर्यटन

घ. सेवा

(iv) वे काम जिनमें उच्च परिमाण और स्तर वाले अन्वेषण सम्मिलित होते हैं, कहलाते हैं:

क. द्वितीयक क्रियाकलाप

ख. पंचम क्रियाकलाप

ग. चतुर्थ क्रियाकलाप

घ. प्राथमिक क्रियाकलाप

LET'S LEARN TOGETHER

(v) निम्नलिखित में से कौन-सा क्रियाकलाप चतुर्थ सेक्टर से संबंधित है?

क. संगणक विनिर्माण

ख. विश्वविद्यालयी अध्यापन

ग. कागज़ और कच्ची लुगदी निर्माण

घ. पुस्तकों का मुद्रण

(vi) निम्नलिखित कथनों में से कौन - सा एक सत्य नहीं है?

क. बाह्यस्रोतन दक्षता को बढ़ाता है और लागतों को घटाता है।

ख. कभी-कभार अभियांत्रिकी और विनिर्माण कार्यों की भी बाह्यस्रोतन की जा सकती है।

ग. बी.पी.ओज़ के पास के.पी. ओज़ की तुलना में बेहतर व्यावसायिक अवसर होते हैं।

घ. कामों के बाह्यस्त्रोतन करने वाले देशों में काम की तलाश करने वालों में असंतोष पाया जाता है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए :

(i) फुटकर व्यापार सेवा को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: ये वह व्यापारिक क्रियाकलाप हैं जो उपभोक्ताओं को वस्तुओं के प्रत्यक्ष विक्रय से संबंधित हैं। अधिकांश फुटकर व्यापार केवल विक्रय से नियत प्रतिष्ठानों और भंडारों में संपन्न होता है। उदाहरण - फेरी, रेहड़ी, ट्रक, द्वार से द्वार, डाक आदेश, दूरभाष, स्वचालित बिक्री मशीनें तथा इंटरनेट।

(ii) चतुर्थ सेवाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर : -चतुर्थक सेवाएँ ज्ञान आधारित सेवाएँ हैं। अतः अनुसंधान तथा विकास पर केन्द्रित क्रियाकलाप जो विशिष्टीकृत ज्ञान, तकनीकी दक्षता तथा प्रशासनिक क्षमता से सम्बन्धित होते हैं, चतुर्थक सेवा कार्य कहलाते हैं।

(iii) विश्व में चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में तेज़ी से उभरते हुए देशों के नाम लिखिए।

उत्तरः चिकित्सा पर्यटन अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन गतिविधि से सम्बन्धित चिकित्सा उपचार हैं। चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में तेज़ी से उभरते हुए देश जैसे- भारत, थाईलैण्ड, सिंगापुर, मलेशिया, स्विट्जरलैण्ड तथा आस्ट्रेलिया ।

(iv) अंकीय विभाजक क्या है?

उत्तरः सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर आधारित विकास से मिलने वाले अवसरों का विवरण पूरे ग्लोब पर असमान रूप से वितरित है। विकसित देश इस दिशा में आगे बढ़ गये हैं, जबकि विकासशील देश पिछड़ गए हैं। इस प्रकार देशों में इस विभाजन को अंकीय विभाजन कहते हैं।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 150 शब्दों से अधिक में न दें :

(i) आधुनिक आर्थिक विकास में सेवा सेक्टर की सार्थकता और वृद्धि की चर्चा कीजिए ।

उत्तरः सेवा क्षेत्र में व्यापार व वाणिज्य के अलावा स्वास्थ्य कल्याण, शिक्षा, मनोरंजन, परिवहन, संचार, दूरसंचार व अनुसंधान जैसे सभी क्षेत्र सम्मिलित होते हैं।

आधुनिक आर्थिक विकास में सेवा क्षेत्र का महत्त्वपूर्ण योगदान है। विश्व के विकसित देशों के साथ-साथ अधिकांश विकासशील देशों में कृषि तथा विनिर्माण क्षेत्र की तुलना में सेवा क्षेत्र अधिक तेजी से बढ़ रहा है तथा देश के सकल घरेलू उत्पाद में सेवा क्षेत्र का योगदान भी बढ़ रहा है।

सेवा क्षेत्र के बढ़ते महत्त्व ने सेवा क्षेत्र को उत्पादक अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में एक विशिष्ट स्थान प्रदान किया है।

बीसवीं शताब्दी में विश्व के अधिकांश विकसित देशों तथा कुछ विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था में विनिर्माण उद्योग की तुलना में

Download MISSION GYAN App Now from Play Store

इसका प्रमुख कारण यह है कि इन देशों में प्रतिव्यक्ति आय के बढ़ने से विभिन्न प्रकार की सेवाओं की माँग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। व्यापार, स्वास्थ्य, मनोरंजन, शिक्षा, परिवहन व दूरसंचार ऐसी ही सुविधाएँ हैं।

यही नहीं, वर्तमान में अनेक घरेलू कार्य बाजार से कराए जाते हैं तथा बाहरी एजेन्सियों को ठेके पर कार्य दिए जा रहे हैं। बाह्य स्रोतन का ही परिणाम है कि भारत, चीन, पूर्वी यूरोप, इजरायल तथा फिलीपींस जैसे देशों में बड़ी संख्या में रोजगार उत्पन्न हुए हैं। इसके साथ-साथ सेवा क्षेत्र के विकास से विदेशी मुद्रा का अर्जन भी होता है।

अधिक विकसित देशों में कर्मियों का अधिकतर प्रतिशत इन सेवाओं में लगा है, जबकि अल्पविकसित देशों में 10 प्रतिशत से भी कम लोग इस सेवा क्षेत्र में लगे हैं। इस सेक्टर में रोज़गार की प्रवृत्ति बढ़ रही है जबकि प्राथमिक और द्वितीयक क्रियाकलापों में यह अपरिवर्तित है अथवा घट रही है।

(ii) परिवहन और संचार सेवाओं की सार्थकता को विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः परिवहन एक ऐसी सेवा अथवा सुविधा है जिससे व्यक्तियों, विनिर्मित माल तथा सम्पत्ति को भौतिक रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जाता है। यह मनुष्य की गतिशीलता की मूलभूत आवश्यकता को पूरा करने हेतु निर्मित एक संगठित उद्योग है।

आधुनिक समाज वस्तुओं के उत्पादन, वितरण और उद्योग में सहायता देने के लिए तीव्र और सक्षम परिवहन व्यवस्था चाहते हैं। इस जटिल व्यवस्था की प्रत्येक अवस्था में परिवहन द्वारा पदार्थ का मूल्य अत्यधिक बढ़ जाता है। संचार सेवाओं में शब्दों और संदेशों तथ्यों और विचारों का प्रेषण सम्मिलित किया जाता है। वर्तमान समय में किसी देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में परिवहन एवं संचार सेवाओं का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है।

परिवहन एवं संचार सेवाओं के अभाव में किसी भी देश का पूरा आर्थिक तन्त्र ध्वस्त हो सकता है। ये सेवाएँ वस्तु, सूचना तथा जनसंख्या को गतिशीलता प्रदान करती हैं साथ ही आधारभूत सुविधाओं की आपूर्ति भी इन सेवाओं से ही होती है। इसी प्रकार जीवन का स्तर तथा जीवन की गुणवत्ता भी इन सेवाओं पर निर्भर होती है।

परिवहन के द्वारा ही वस्तुओं के मूल्यों में वृद्धि होती है। दूसरी ओर आधुनिक संचार माध्यम के कारण समय में बचत होती है तथा मानवीय कार्यक्षमता में वृद्धि होती है।

परिवहन व संचार सेवाओं की उपलब्धता के स्तर का प्रभाव राष्ट्र के उत्पादन तथा राष्ट्रीय आय में वृद्धि पर पड़ता है। अतः परिवहन तथा संचार सेवाओं का आधुनिक आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान है।

LET'S LEARN TOGETHER